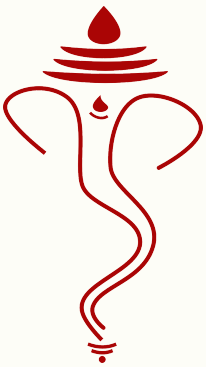

वषर्फल कुंडली 2018-2019

Sample Profile

10/05/1990 06:05 PM

Mumbai, Maharashtra

निर्मित

VEDIC rishi

© 2019 © 2018 Vedic Rishi Astro Pvt Ltd

ज्योतिषीय विवरण

सामान्य विवरण

जन्म दिनांक	10/05/1990
जन्म समय	06:05 PM
अक्षांश	09 N 36
देशांतर	77 E 57
समय क्षेत्र	+05:30
सूयोर्दय	05:58:42
सूर्यास्त	18:30:24

वर्षफल विवरण

वषर्फल दिनांक	10/05/2018
वषर्फल समय	22:22
जन्म लग्न स्वामी	शुक्र
वर्ष लग्न स्वामी	गुरु
वर्षेश	शनि
मुंथेश	शनि
दिनरात्रि स्वामी	शनि
त्रिराशि स्वामी	शनि

ज्योतिषीय विवरण

लग्न	तुला
वर्ण	विप्र
वश्य	कीट
योनि	मृग
गण	देव
नाड़ी	मध्य
जन्म राशि	वृश्चिक
राशि स्वामी	मंगल
तिथि	कृष्ण प्रतिपदा
करण	कौलव
नक्षत्र	अनुराधा
नक्षत्र स्वामी	शनि
चरण	1
योग	वरीयान
युञ्जा	मध्य
तत्त्व	जल
नामाक्षर	ना
पाया	चांदी

vedicrishi.in

गर्हों की स्थिति

जन्म विवरण

नक्षत्र	न स्वामी	चरण	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	चरण	न स्वामी	नक्षत्र
विशाखा	गुरु	1	20:41:38	तुला	लग्न	धनु	20:15:03	3	शुक्र	पूर्व षाढ़ा
भरणी	शुक्र	4	25:52:06	मेष	सूर्य	मेष	25:52:06	4	शुक्र	भरणी
अनुराधा	शनि	1	03:37:39	वृश्चिक	चन्द्र	कुम्भ	25:20:15	2	गुरु	पूर्व भाद्रपद
पूर्व भाद्रपद	गुरु	1	20:54:31	कुम्भ	मंगल	मकर	03:38:57	3	सूर्य	उत्तर षाढ़ा
भरणी	शुक्र	1	15:45:42	मेष	बुध	मेष	01:41:51	1	केतु	अश्विनी
आर्द्रा	राहु	3	14:53:27	मिथुन	गुरु	तुला	24:02:01	2	गुरु	विशाखा
उत्तर भाद्रपद	शनि	4	13:26:18	मीन	शुक्र	वृष	25:16:13	1	मंगल	मृगशिरा
उत्तर षाढ़ा	सूर्य	2	01:35:18	मकर	शनि	धनु	14:37:52	1	शुक्र	पूर्व षाढ़ा
श्रावण	चन्द्र	3	17:52:37	मकर	राहु	कर्क	15:55:06	4	शनि	पुष्य
अश्लेषा	बुध	1	17:52:37	कर्क	केतु	मकर	15:55:06	2	चन्द्र	श्रावण

जन्म लग्न

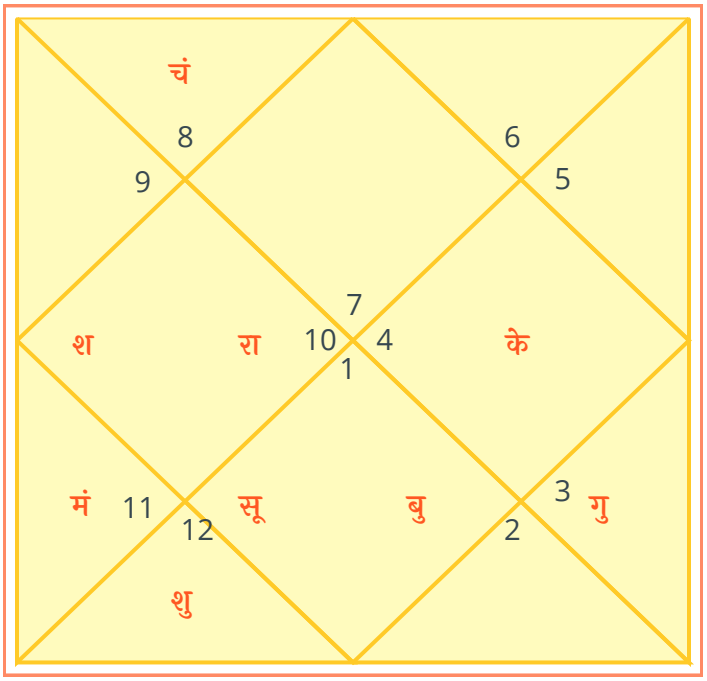

वर्ष लग्न

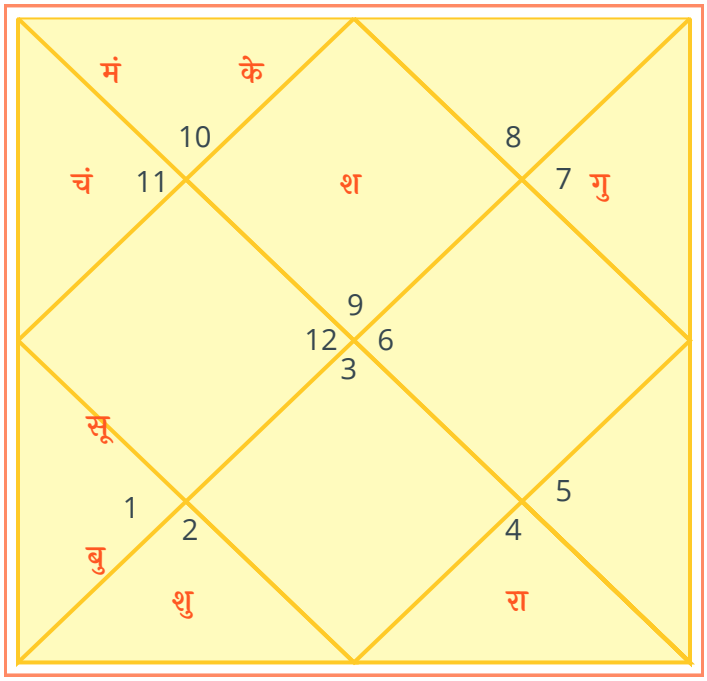

vedicrishi.in

कुंडली

जन्म विवरण

चंद्र

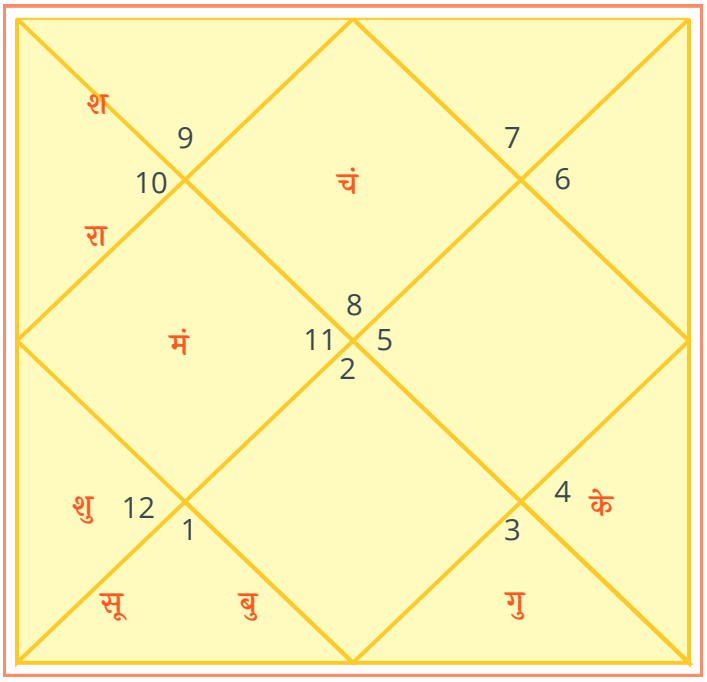

नवमांश

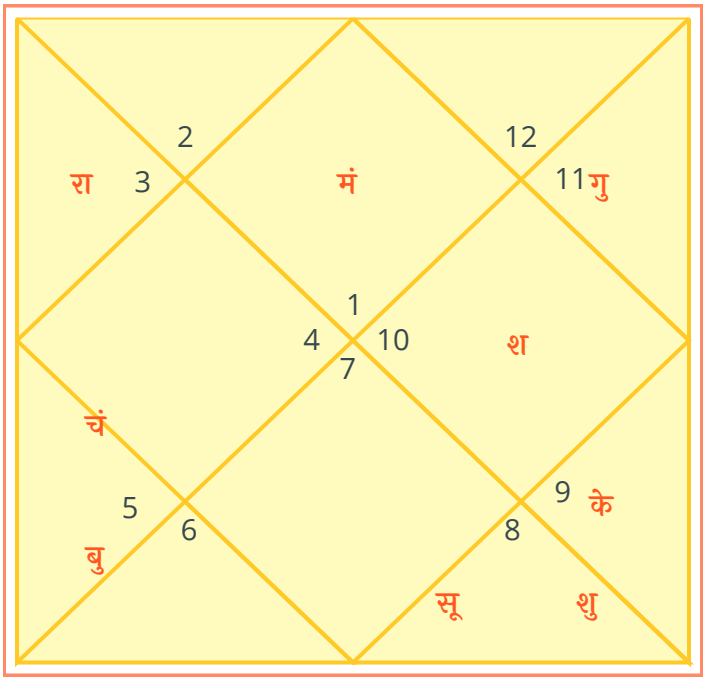

वर्ष विवरण

चंद्र

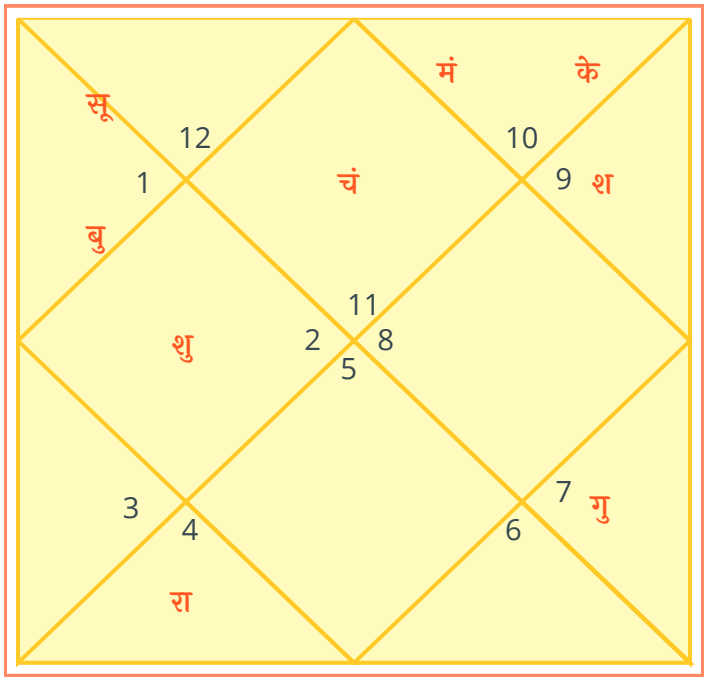

नवमांश

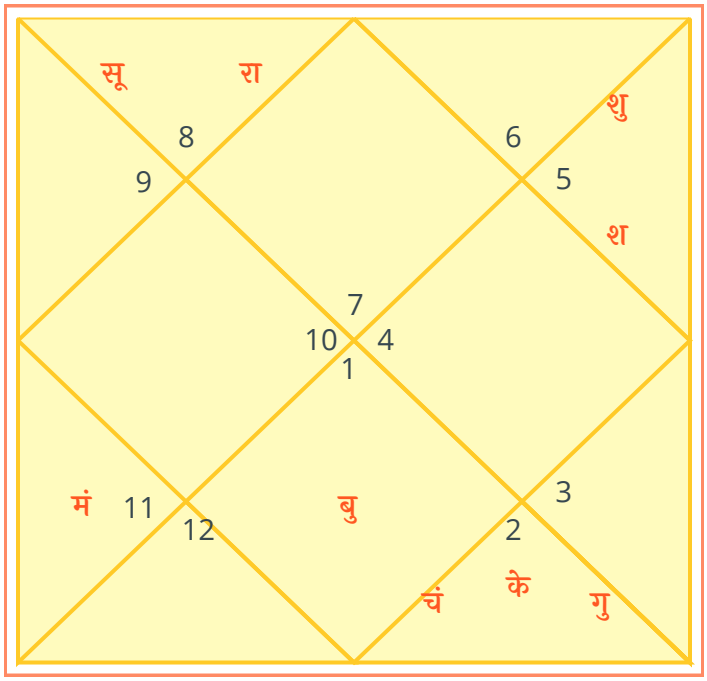

vedicrishi.in

हर्ष बल

हर्ष बल क्या होता है?

Harsha literally means happiness. Planets are comfortable or happy in certain situations and hence they gain Bala or strength. To determine the strength, four points are considered: Position of a planet in a specific house. Placement in exaltation sign or it's own house.

हर्ष बल के बारें में

Harsha literally means happiness. Planets are comfortable or happy in certain situations and hence they gain Bala or strength. To determine the strength, four points are considered:

1. Position of a planet in a specific house.
2. Placement in exaltation sign or it's own house.
3. Placement in house belonging to its own sex.
4. Strength depending on Varsha Pravesha during day time or night time.

When each of the the above point gets fulfilled, then a planet gets 5 points each. A planet which satisfies all four points, gets a Harsha Bala of 20, making it an extraordinary planet. Thus the planet gives much benefits during the dasha period.

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	5	0	0	5	0	0
द्वितीय बल	0	5	0	5	0	5	5
तृतीय बल	5	5	0	0	5	0	5
चतुर्थ बल	0	5	0	5	0	5	5
कुल बल	10	15	5	5	10	10	10

vedicrishi.in

पंचवर्गीय बल

पंचवर्गीय बल क्या होता है?

Of the various methods of computing the strength of planets in an annual chart, the method of Panchavargiya Bala is of primary importance. In this method, five different sources of strength of planets are considered, hence the name Panchavargiya, 'of five divisions'.

The Five Factors That Are to Be Considered For Determining the Panchavargiya Bala is are Kshetra Bala, Uccha Bala, Hadda Bala, Drekkana Bala and Navmansha Bala these values are present in below table.

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	7.5	22.5	15	7.5	15	30	22.5
उच्च बल	18.2369	12.4819	17.2944	1.8553	7.8852	13.5255	13.9299
हद्द बल	11.25	11.25	3.75	3.75	7.5	7.5	7.5
द्रेष्काण	2.5	10	2.5	2.5	10	5	7.5
नवमांश	1.25	1.25	1.25	3.75	1.25	1.25	1.25
कुल	40.7369	57.4819	39.7944	19.3553	41.6352	57.2755	52.6799
विंशोपक	10.1842	14.3705	9.9486	4.8388	10.4088	14.3189	13.17

vedicrishi.in

अथ वर्षेशफलम

वर्ष लग्न के बारे में

वर्ष कुण्ली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है।

यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पञ्चाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पञ्चाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं।

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आपकी स्थिति अच्छी रहेगी तथा मन में प्रसन्नता की आप अनुभूति करेंगे। इस समय समाज में आप एक गुणवान पुरूष के रूप में समझे जाएंगे तथा सभी लोग आपको वांछित मान सम्मान प्रदान करेंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी। धर्म के प्रति आपके मन में इस समय श्रद्धा का भाव रहेगा तथा यत्न पूर्वक धार्मिक कार्य कलापों का अनुपालन करते रहेंगे। इस समय आप कुएं या बगीचे आदि का निर्माण भी कर सकते है। समस्त भौतिक सुख संसाधनों की इस समय आपको प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। इस वर्ष में आपको भूमि या जमीन जायदाद संबधी लाभ होगा तथा सुन्दर आवास स्थान के प्राप्ति के भी योग बनेंगे। व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति की दृष्टि से वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में उन्नति तथा विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय आपकी सुदृढ. रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा। साथ ही आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी । इस समय विदेशियों से अथवा अन्य भौतिक कार्यो से आप विशिष्ट धन अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही सेवक वर्ग का भी पूर्ण रूप से सुख प्राप्त होगा अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ तथा सौभाग्य शाली रहेगा।

vedicrishi.in

सहम

सहम क्या होता है?

सहम जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रदर्शित करने वाली विशेष स्थिति या बिन्दु है। ग्रह या भावों के विपरीत सहम जीवन की एक ही घटना से संबंध रखता है। आचार्य नीलकंठ के अनुसार सहम 50 हैं। यदि सहम और इसका स्वामी शुभ हो या शुभदष्ट हो तो यह सांकेतिक घटना के लिए शुभ फल प्रदान करता है। ताजिक शास्त्र के अनुसार किसी भी घटना की अवधि को इसकी स्थिति, स्वामी तथा उस राशि की स्थिति से ज्ञात किया जाता है जिसमें यह स्थित है। नीचे सहमों की गणना करके उनकी संभावित तिथियां दी गई हैं जो अग्रिम फलादेश में सहायक सिद्ध हो सकेंगी।

सहम अंक

सहम अंक की सारणी नीचे दी गयी है।

	सहम	राशि	अंश	स्वामी
1	पुण्य	कुम्भ	20:46:54	शनि
2	विद्या	वृश्चिक	19:43:12	मंगल
3	यश	कन्या	23:30:10	बुध
4	मित्र	सिंह	26:19:56	सूर्य
5	माहात्म्य	धनु	03:07:06	गुरु
6	आशा	कर्क	00:53:23	चंद्र
7	समर्थ	तुला	10:38:07	शुक्र
8	भ्रातृ	तुला	29:39:11	शुक्र
9	गौर	कन्या	23:30:10	बुध
10	पितृ	कन्या	09:00:49	बुध
11	राज्य	मिथुन	01:29:16	बुध
12	मैत्री	मीन	20:11:01	गुरु
13	पुत्र	कन्या	18:56:49	बुध

vedicrishi.in

	सहम	राशि	अंश	स्वामी
14	जीव	वृश्चिक	29:39:11	मंगल
15	कर्म	मीन	18:17:56	गुरु
16	रोग	मेष	00:57:25	मंगल
17	काली	मीन	29:51:59	गुरु
18	शस्त्र	वृष	22:17:42	शुक्र
19	बंधु	धनु	13:53:27	गुरु
20	मृत्यु	मिथुन	17:27:49	बुध
21	परदेस	वृष	19:13:57	शुक्र
22	अर्थ	मकर	28:10:12	शनि
23	परदारा	कुम्भ	19:39:10	शनि
24	वैनिक	धनु	13:53:27	गुरु
25	कार्यसिद्धि	धनु	14:37:52	गुरु
26	विवाह	मिथुन	00:53:23	बुध
27	संताप	मीन	11:50:39	गुरु
28	श्रद्धा	मिथुन	11:52:18	बुध
29	प्रीति	तुला	19:11:20	शुक्र
30	जाड्या	मेष	12:40:46	मंगल
31	व्यापार	कन्या	22:12:09	बुध
32	सत्रु	धनु	01:13:58	गुरु
33	जलपाटना	वृष	19:52:55	शुक्र
34	बंधन	तुला	14:06:01	शुक्र
35	अपमृत्यु	सिंह	09:09:07	सूर्य
36	लाभ	मिथुन	19:49:49	बुध

vedicrishi.in

इक्कबाल योग

विवरण

यदि वर्ष कुंडली में सभी ग्रह केन्द्र (1,4,7,10) और पणफर (2,5,8,11) स्थानों में हो तो इक्कबाल नामक योग होता है।

उपिस्थित

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इन्दुवार योग

विवरण

वर्ष कुंडली में यदि सूर्यादि सभी ग्रह आपीक्लिम (3,6,9,12) स्थानों में हो तो इन्दुवार योग होता है।

उपिस्थित

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इत्थशाल योग

विवरण

यदि लग्नेश और अन्य ग्रह (कार्येश) की परस्पर दृष्टि हो तथा दोनों ग्रह दीप्तांशों के अन्तर्गत हों तो इत्थशाल योग होता है। यह तीन प्रकार का होता है। वर्तमान, सम्पूर्ण और भविष्यत। सम्पूर्ण इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगति ग्रह से 1 कला के अंतर पर हो। वर्तमान इत्थशाल में शीघ्रगति वाले ग्रह के अंश कम एवं मन्दगति ग्रह के अंश अधिक हों तथा दोनों की परस्पर दृष्टि हो। भविष्यत इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगति ग्रह राशि के अन्तिम अंश में हो तथा दूसरी राशि पर मन्द गति ग्रह हो परन्तु मध्यान्तर दीप्तांशो के अन्तर्गत हों।

उपिस्थित

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि हो रही है।

vedicrishi.in

ईशराफ योग

विवरण

यदि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगामी ग्रह से आगे हो तो इसराफ योग होता है यह इत्थशाल का विपरीत होता है।

उपिस्थित

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

नक्त योग

विवरण

यदि लग्नेश और कार्येश में दृष्टि न हो और उन दोनों के मध्य दीप्तांशों के अन्तर्गत ऐसा शीघ्रगामी ग्रह हो जो लग्नेश और कर्मेश को देखता हो तो एक ग्रह के तेज को लेकर दूसरों को देता है। इस योग में किसी तीसरे व्यक्ति की सहायता से कार्य बनता है।

उपिस्थित

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

यमया योग

विवरण

यदि लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि न हो और कोई मन्दगति वाला ग्रह दीप्ताशों के अन्तर्गत हो तथा दोनों को देखता हो तो वह शीघ्रगति ग्रह मन्दगति वाले ग्रह को दे देता है।

उपिस्थित

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

मणऊ योग

विवरण

यदि लग्नेश एवं कर्मेश में इत्थशाल हो किन्तु कोई पाप ग्रह दोनों को या एक को भी शत्रु दृष्टि से देखता हो तथा दीप्तांशों के अन्तर्गत हो तो मणऊ योग बनता है।

उपिस्थित

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

vedicrishi.in

कम्बूल योग

विवरण

यदि लग्नेश और कार्येश में परस्पर इत्थशाल हो तथा इन दोनों में एक से भी चन्द्रमा इत्थशाल करता हो तो कम्बूल योग बनता है।

उपिस्थित

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

गैरी कम्बूल योग

विवरण

लग्नेश एवं कार्येश दोनों का इत्शाल हो परंतु चन्द्रमा की इन पर दृष्टि न हो किन्तु वही चन्द्रमा बलवान होकर अग्रिम राशि में जाकर किसी अन्य बलवान ग्रह से इत्थशाल करे तो गैरी कम्बूल योग बनता है।

उपिस्थित

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

खल्लासर योग

विवरण

लग्नेश और कार्येश का परस्पर इत्थशाल हो लेकिन शून्यमार्गी चन्द्रमा किसी से इत्थशाल न करता हो तो खल्लासर नामक योग बनता है।

उपिस्थित

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि हो रही है।

रद्द योग

विवरण

यदि लग्नेश और कार्येश में कोई ग्रह अस्त नीच शत्रु क्षेत्री अथवा 6812 में हो और परस्पर इत्थशाली हो, क्रूर ग्रह से युक्त या दृष्ट हो तो रद्द नामक योग बनता है।

vedicrishi.in

उपिस्थित

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि हो रही है।

दुष्फाली कुत्थ योग

विवरण

लग्नेश और कार्येश में इत्थशाल हो (1) इन दोनों में से मन्दगति वाला ग्रह अपनी उच्च राशि /स्वराशि /नवांश / द्रेष्काण आदि में बलवान हो तथा (2) शीघ्रगामी ग्रह अपनी उच्च स्वराशि में न हो तथा निर्बल हो तो दुफालिकुत्थ योग बनता है।

उपिस्थित

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि हो रही है।

दुत्थकुत्थीर योग

विवरण

यदि लग्नेश और कार्येश निर्बल होकर इत्थशाल करें और उनमें से एक किसी ग्रह से जो अपने उच्च या स्वगृह में बैठा हो, बलवान हो इत्थशाल करे तो दुत्थकुत्थीर योग बनता है।

उपिस्थित

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

ताम्बीर योग

विवरण

इस योग में लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि नहीं होती किन्तु इन दोनों में से कोई एक ग्रह राशि के अन्त में होता है एवं आगामी राशि में स्वगृही ग्रह से दीप्तांशों के अन्तर्गत इत्थशाल करता है।

उपिस्थित

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

vedicrishi.in

कुत्थ योग

विवरण

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश कार्येश बलवान हों तो कुत्थ योग बनता है।

उपिस्थित

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि हो रही है।

दुरुफ योग

विवरण

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश एवं कार्येश निर्बल हो तो दुरूफयोग बनता है।

उपिस्थित

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि हो रही है।

vedicrishi.in

अथ मुंथाफलम

मुंथा के बारे में

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ1/2ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ1/2ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है।

आपकी कुंडली में मुंथा प्रभाव

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक आप अपने सांसारिक कार्यो को सम्पन्न करेंगे। इस समय आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा समाज में अपना प्रभाव स्थापित करने में आप समर्थ रहेंगे। साथ ही आपकी मान प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथोचित आदर प्रदान करेंगे। धार्मिक कार्यो के प्रति आपके मन में इस समय श्रद्धा रहेगी तथा किसी शुभ एवं पुण्य कार्य को करने में आप रूचिशील रहेंगे।देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आप श्रद्धालु रहेंगे तथा श्रद्धा पूर्वक इनका पूजन करेंगे। साथ ही अन्य लोगों के परोपकार संबधी कार्य को करने में भी उद्यत रहेंगे तथा परोपकार सबंधी कार्यो में अपना सहयोग प्रदान करेंगे। इस समय आप स्वपराक्रम से विभिन्न प्रकार के सुख संसाधनों को भी अर्जित करेंगे। इस वर्ष में भाइयों , मित्रों तथा संबधियों से आपको पूर्ण सुख सहयोग एवं लाभ प्राप्त होगा तथा इनके मध्य आपके मान सम्मान तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी । इस समय राजनैतिक नेताओं या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको सहयोग मिलेगा तथा आपके लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। इसके साथ ही आपके मानसिक संकल्प भी इस समय पूर्ण होंगे तथा विगत रूके हुए कार्यो में भी आपको कार्य सिद्धि मिलेगी। साथ ही इस वर्ष में आप कोई तीर्थ यात्रा करने के भी इच्छुक रहेंगे। अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं शान्तिपूर्ण रहेगा।

vedicrishi.in

अथ मुंथेशफलम

मुन्था स्वामी

वर्ष कुण्ली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वकी एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा कूर ग्रहों के स्थान से समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वकी एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा कूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः–

मुंथेशफलम

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे तथा इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। साथ ही मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे। इस समय मित्रवर्ग एवं संबधियों से आपको इच्छित सहयोग तथा लाभ प्राप्त होगा तथा आप भी उनकी भलाई के लिए कार्यो को करने में तत्पर रहेंगे। आर्थिक स्थिति इस वर्ष सुदृढ. रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा। साथ ही भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करने में भी आप सफल रहेंगे तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष अनुकूल रहेगा। इस समय नौकरी या राजनीति में आपकी पदोन्नति होगी तथा उच्चाधिकारी वर्ग या राजनेताओं से आपके सम्पर्क बनेंगे तथा इनसे भी आप इच्छित सहयोग एवं लाभ प्राप्त करेंगे। व्यापार में भी आपकी प्रगति होगी तथा प्रचुर मात्रा में लाभ मिलेगा। साथ ही व्यापार में विस्तार या कोई नया कार्य आरंभ करने में भी आप सफल रहेंगे।इस समय आपकी प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित मान सम्मान प्रदान करेंगे। साथ ही सरकारी क्षेत्र में आपको कोई सम्मान प्राप्त हो सकता है। इस समय आपकी आशाएं सफल होंगी तथा विगत रूके हुए कार्य भी पूर्ण होंगे तथा वाहन सुख भी प्राप्त करेंगे। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा।

vedicrishi.in

अथ वर्षलग्नेशफलम

लग्न स्वामी

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः–

वर्षलग्नेशफलम

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी इस समय आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। आर्थिक दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए शुभ रहेगा तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करेंगे तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। स्त्री से इस समय इच्छित सुख एवं सहयोग मिलेगा तथा दाम्पत्य संबधों में भी मधुरता रहेगी फलतः आपका समय सुख एवं आनन्द पूर्वक व्यतीत होगा। इस समय संतति पक्ष से भी आपको इच्छित सुख सहयोग प्राप्त होगा तथा अपने कार्य क्षेत्र में वे उन्नति शील रहेंगे। साथ ही उनका स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा। इसकेअतिरिक्त आपके रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे तथा सौभाग्य में भी वृद्धि होगी। व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में आप इच्छित सफलता प्राप्त करेंगे तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। इस समय व्यापार में विस्तार या किसी नवीन कार्य का भी प्रारंभ हो सकता है। इस वर्ष नौकरी या राजनीति में भी आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा उच्चाधिकारी वर्ग एवं वरिष्ठ नेता आपसे प्रसन्न रहेंगे तथा इनसे आप इच्छित लाभ एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस वर्ष में आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं यथोचित सम्मान करेंगे। इसके साथ ही वाहन या आवास संबधी सुख भी प्राप्त हो सकता है। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा।

vedicrishi.in

प्रथम मास

10/05/2018 22:22:59 से **11/06/2018 03:52:47** तक

ग्रह	अंश	राशि
लग्न	20:15:03	धनु
सूर्य	25:52:06	मेष
चन्द्र	25:20:15	कुम्भ
मंगल	03:38:57	मकर
बुध	01:41:51	मेष
गुरु	24:02:01	तुला
शुक्र	25:16:13	वृष
शनि	14:37:52	धनु
राहु	15:55:06	कर्क
केतु	15:55:06	मकर

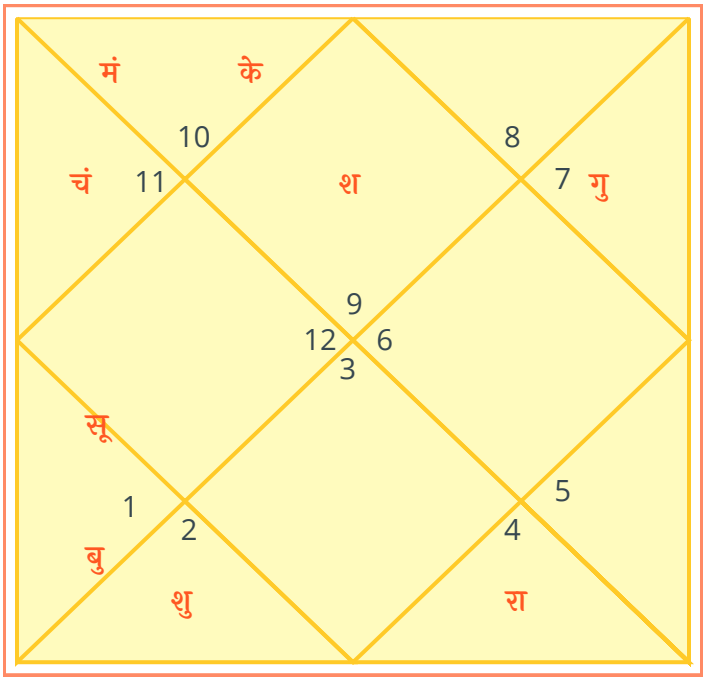

इस मास में आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार के सुखों को अर्जित करने में सफल होंगे।साथ ही समाज में आपका यश भी व्याप्त होगा।धर्म के प्रति आपके मन में आस्था होगी तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति श्रद्धा रखेंगे तथा श्रद्धापूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे।इस समय परोपकार की भावना भी आपके मन में उत्पन्न होगी तथा उच्चाधिकारी वर्ग के आश्रय से आप पूर्ण यशार्जन करेंगे एवं आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। साथ ही भाइयों से भी आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे।इसके अतिरिक्त आप अपने मानसिक विचारों या संकल्पों को पूर्ण करने में भी सफल रहेंगे । साथ ही इस मास में आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य महिला सहयोगियों से भी आपको वांछित सहयोग प्राप्त होगा। आपकी बुद्धि भी निर्मल होगी एवं सम्पूर्ण मास आप उचित धन लाभ एवं सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा समाज में आप पूर्ण यश अर्जित करेंगे।

vedicrishi.in

द्वितीय मास

11/06/2018 03:52:47 से **12/07/2018 14:31:11** तक

ग्रह	अंश	राशि
लग्न	24:14:40	मेष
सूर्य	25:52:06	वृष
चन्द्र	16:28:41	मेष
मंगल	13:35:07	मकर
बुध	01:49:60	मिथुन
गुरु	20:32:09	तुला
शुक्र	02:24:14	कर्क
शनि	12:56:27	धनु
राहु	14:15:48	कर्क
केतु	14:15:48	मकर

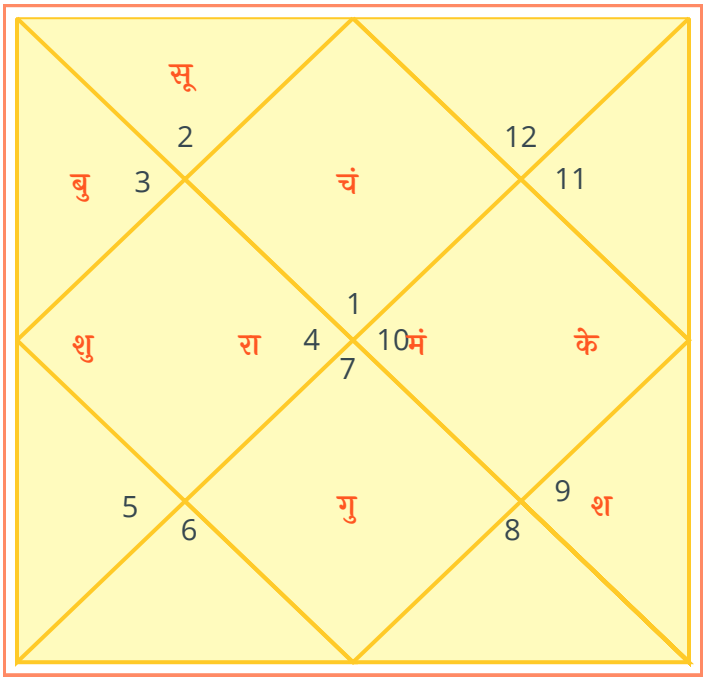

इस मास को आप अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नतापूर्व व्यतीत करेंगे। इस समय स्त्री वर्ग से आप पूर्ण लाभ तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे साथ ही सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे जिससे आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभार्जन करेंगे। आपका स्वास्थ्य इस मास अच्छा रहेगा तथा किसी भी प्रकार से शारीरिक या मानसिक अस्वस्थता नहीं रहेगी। अध्ययन या ज्ञानार्जन में आपकी रुचि बढ़ेगी तथा मित्र वर्ग से सम्बन्धों में मधुरता रहेगी एवं उनका पूर्ण सहयोग प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे। साथ ही वांछित द्रव्य पदार्थों का उपभोग करके आप प्रसन्नता को प्राप्त करेंगेत संतति पक्ष से भी आपको शुभ फल ही प्राप्त होंगे तथा किसी प्रकार से चिन्ता नहीं रहेगी। मित्रों तथा सम्बन्धियों में आपकी प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी तथा असफल आशाओं में भी सफलता अर्जित होगी। फलतः आप आनंदपूर्वक इस मास को व्यतीत करेंगे। इसके साथ ही आप पुत्र एवं स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा विद्याध्ययन में भी उन्नति होगी । इसके अतिरिक्त नवीन वस्त्रों या द्रव्य आदि की भी आपको उपलब्धि हो सकती है। इस प्रकार आप शान्ति एवं प्रसन्नतापूर्वक इस मास को व्यतीत करने में सफल रहेंगे।

vedicrishi.in

तृतीय मास

12/07/2018 14:31:11 से **12/08/2018 23:37:56** तक

ग्रह	अंश	राशि
लग्न	28:31:32	तुला
सूर्य	25:52:06	मिथुन
चन्द्र	15:20:20	मिथुन
मंगल	13:37:10	मकर
बुध	22:16:57	कर्क
गुरु	19:14:11	तुला
शुक्र	08:25:21	सिंह
शनि	10:40:17	धनु
राहु	12:35:50	कर्क
केतु	12:35:50	मकर

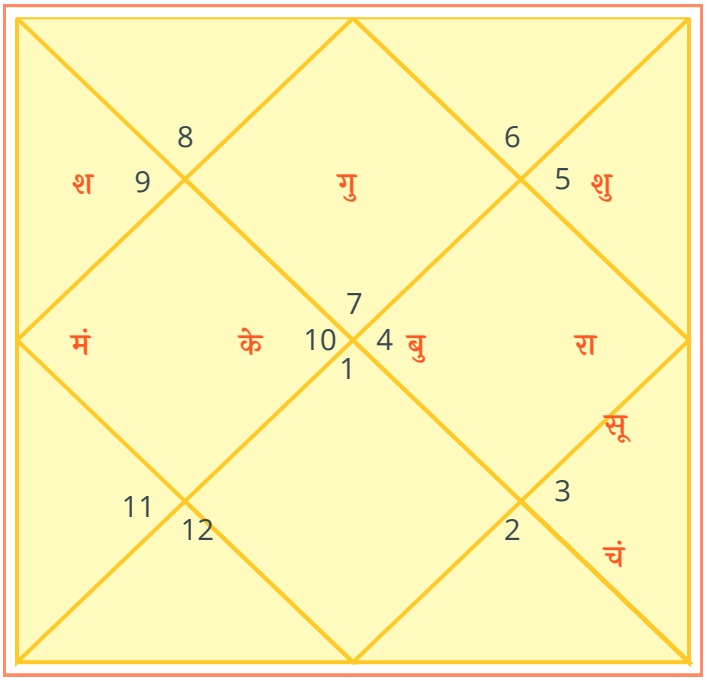

यह मास आपके लिए विशेष शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला होगा। इस मास में आपकी बुद्धि निर्मल रहेगी तथा कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य आप अपनी बुद्धिबल से ही सम्पन्न करेंगे। इस समय आप कई प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करेंगे एवं पुत्र सुख भी आपको प्राप्त होगा। आपके प्रभुत्व में भी इस समय वृद्धि होगी एवं सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को मन से स्वीकार करेंगे। इस मास आपके शुभ कार्य भी सम्पन्न होंगे तथा किसी शुभ समाचार को भी प्राप्त करेंगे । देवता तथा ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा इनका आप यथोचित सम्मान एवं पूजन करेंगे। इसके साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप यथोचित लाभ अर्जित करने में भी सफल सिद्ध होंगे एवं समाज से पूर्ण मान प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे।अतः मानसिक रूप से पूर्ण प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख अर्जित करेंगे एवं अपनी बुद्धिमता से आवश्यक शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करने में भी सफल रहेंगे। धर्मानुपालन में भी आपकी रूचि उत्पन्न होगी तथा किसी धार्मिक कार्य क्रम का आयोजन करने में भी आप प्रवृत होंगे।

vedicrishi.in

चतुर्थ मास

12/08/2018 23:37:56 से **13/09/2018 01:00:07** तक

ग्रह	अंश	राशि
लग्न	22:21:35	मेष
सूर्य	25:52:06	कर्क
चन्द्र	14:41:19	सिंह
मंगल	05:56:59	मकर
बुध	19:40:14	कर्क
गुरु	20:49:18	तुला
शुक्र	11:42:15	कन्या
शनि	08:54:37	धनु
राहु	10:56:03	कर्क
केतु	10:56:03	मकर

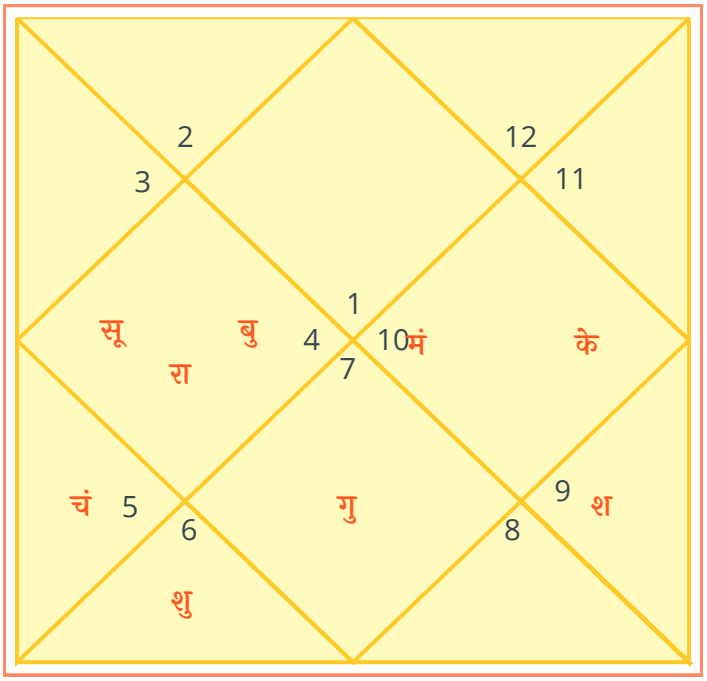

यह मास आपके लिए पूर्ण शुभ तथा प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय स्त्री वर्ग से आप लाभार्जन करेंगे तथा सौभाग्य से युक्त रहेंगे । सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा ज्ञानार्जन में भी आपकी रूचि रहेगी जिसमें आप सफलता अर्जित करेंगे। आप मन से भी इस समय शान्त एवं प्रसन्न रहेंगे। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा लाभ प्राप्त करेंगे तथा अन्य वांछित पदार्थों की भी आपको प्राप्ति होगी। संतति पक्ष से भी आप सुखार्जन करेंगे एवं सम्बन्धियों के मध्य मानप्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस समय में सम्पन्न होंगे तथा आप प्रसन्न रहेंगे । साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा अन्य पारिवारिक जनों से पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे।इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता का भाव रहेगा तथा धन लाभ प्रचुर मात्रा में होता रहेगा। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा सुख पूर्वक समय व्यतीत करके समाज में पूर्ण यश तथा सम्मान प्राप्त करेंगे।

vedicrishi.in

पंचम मास

13/09/2018 01:00:07 से **13/10/2018 14:41:40** तक

ग्रह	अंश	राशि
लग्न	11:46:59	मिथुन
सूर्य	25:52:06	सिंह
चन्द्र	06:35:59	तुला
मंगल	06:14:28	मकर
बुध	18:24:28	सिंह
गुरु	24:48:15	तुला
शुक्र	08:14:03	तुला
शनि	08:27:38	धनु
राहु	09:17:19	कर्क
केतु	09:17:19	मकर

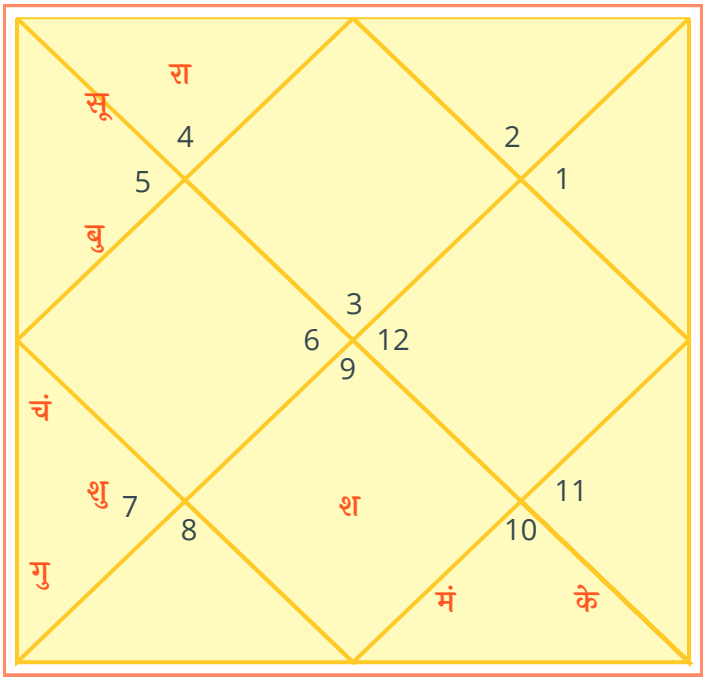

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति होगी तथा समाज में पूर्ण मान तथा प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से आप सहयोग तथा सम्मान भी प्राप्त करेंगे तथा ये लोग आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। मित्रों एवं बन्धुओं से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे आप पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे तथा उनकी भलाई के कार्यो को करने में भी तत्पर रहेंगे।आपके कई विलम्बित शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास सम्पन्न होंगे जिससे आपको हार्दिक प्रसन्नता प्राप्त होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा विधि पूर्वक आप इनका पूजन तथा सम्मान करेंगे। संतति पक्ष से भी आप पूर्ण सुखी रहेंगे तथा मित्रों एवं बन्धुओं के मध्य आप की मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।साथ ही आपकी असफल आशाएं भी इस समय सिद्ध होगी जिससे आप मानसिक रूप से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही इस समय आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग भी प्राप्त करने में सफल रहेंगे।आपकी बुद्धि भी इस समय निर्मल रहेगी एवं प्रचुर मात्रा में संपूर्ण मास धनार्जन होता रहेगा । धर्म के प्रति आपकी श्रद्धा में वृद्धि होगी तथा समाज में आप पूर्ण यश तथा प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे।

vedicrishi.in

षष्ठ मास

13/10/2018 14:41:40 से **12/11/2018 16:03:06** तक

ग्रह	अंश	राशि
लग्न	28:54:56	मकर
सूर्य	25:52:06	कन्या
चन्द्र	18:18:18	वृश्चिक
मंगल	17:14:39	मकर
बुध	11:02:04	तुला
गुरु	00:21:40	वृश्चिक
शुक्र	15:35:07	तुला
शनि	09:31:05	धनु
राहु	07:40:07	कर्क
केतु	07:40:07	मकर

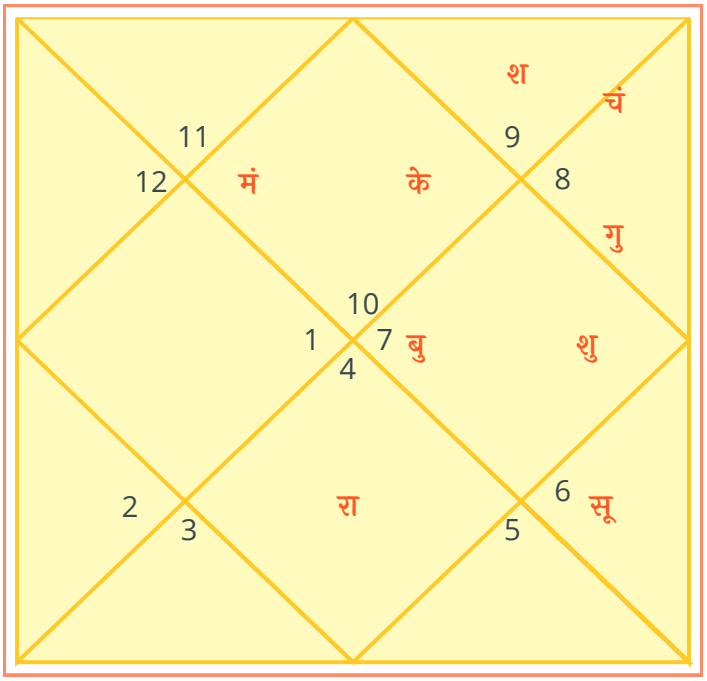

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ ही रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी घटित होंगे। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विभिन्न प्रकार से सुखोपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा तथा यश में भी वृद्धि होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करने के लिए तत्पर रहेंगे साथ ही अन्य जनों की भलाई के लिए भी आप इस मास में कार्य करते रहेंगे।इस समय स्वास्थ्य भी सामान्य ही रहेगा । उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा आश्रय प्राप्त करेंगे जिससे समाज में आपको पूर्ण ख्याति प्राप्त होगी। मित्रों एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे आपको वांछित सुख तथा सहयोग भी प्राप्त होता रहेगा इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस मास में पूर्ण होगी । जिससे आप मानसिक सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे। साथ ही शुभ फलों के साथ साथ इस मास में अशुभ फल भी होंगे।अतः आप गर्मी या पित्तादि से उत्पन्न दोषों से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे साथ ही किसी प्रकार से रुधिर विकार की संभावना भी हो सकती है अतः शारीरिक सुरक्षा का पूर्ण ध्यान रखें तथा सावधानी पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें जिससे कष्ट अल्प मात्रा में हों।

vedicrishi.in

सप्तम मास

12/11/2018 16:03:06 से **12/12/2018 07:39:49** तक

ग्रह	अंश	राशि
लग्न	26:35:02	मीन
सूर्य	25:52:06	तुला
चन्द्र	21:23:29	धनु
मंगल	03:45:31	कुम्भ
बुध	17:55:47	वृश्चिक
गुरु	06:44:44	वृश्चिक
शुक्र	01:27:16	तुला
शनि	11:49:27	धनु
राहु	06:04:33	कर्क
केतु	06:04:33	मकर

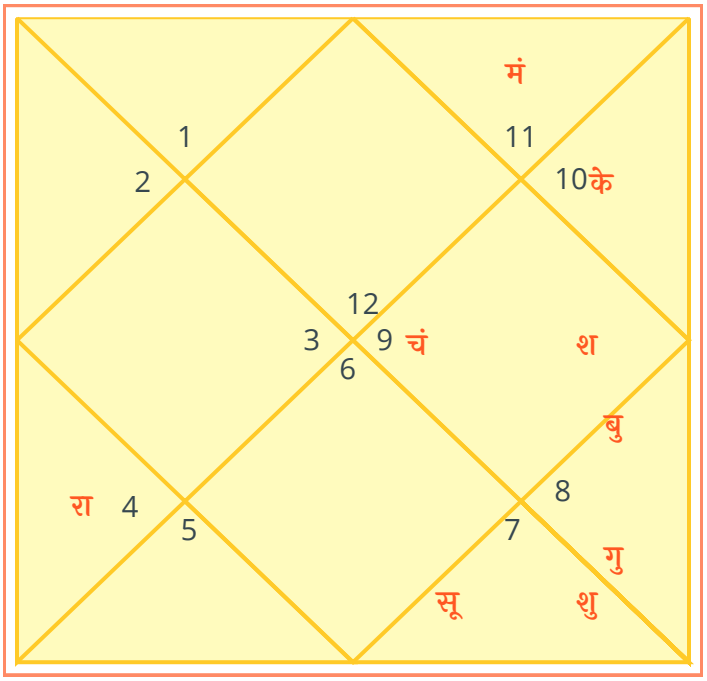

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे । इस मास में आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रु पक्ष निर्बल रहेगा साथ ही लाभ मार्ग भी उन्नति की ओर अग्रसर रहेंगे। नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त अन्य स्रोतों से भी आप लाभार्जन करने में सफल रहेंगे। फलतः आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ. रहेगी। सामाजिक जनों तथा मित्रवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनके मध्य आपकी प्रतिष्ठा में आशातीत वृद्धि होगी।उच्च उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे तथा उनसे उचित सहयोग तथा लाभ भी अर्जित करेंगे। इस मास में आपका भाग्य प्रबल रहेगा तथा शुभ कार्य यथासमय सिद्ध होंगे। इसके अतिरिक्त समस्त सांसारिक कार्यो को सिद्ध करने में आप सफल रहेंगे। साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा स्त्री वर्ग से भी सहयोग एवं लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करके आप सुख एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे । इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में आप रूचि रखेंगे तथा समाज एवं बन्धुवर्ग से यथोचित सम्मान भी प्राप्त करेंगे।

vedicrishi.in

अष्टम मास

12/12/2018 07:39:49 से **10/01/2019 18:32:33** तक

ग्रह	अंश	राशि
लग्न	12:16:57	धनु
सूर्य	25:52:06	वृश्चिक
चन्द्र	18:56:39	मकर
मंगल	22:34:00	कुम्भ
बुध	05:11:39	वृश्चिक
गुरु	13:20:41	वृश्चिक
शुक्र	11:57:12	तुला
शनि	14:56:13	धनु
राहु	04:30:16	कर्क
केतु	04:30:16	मकर

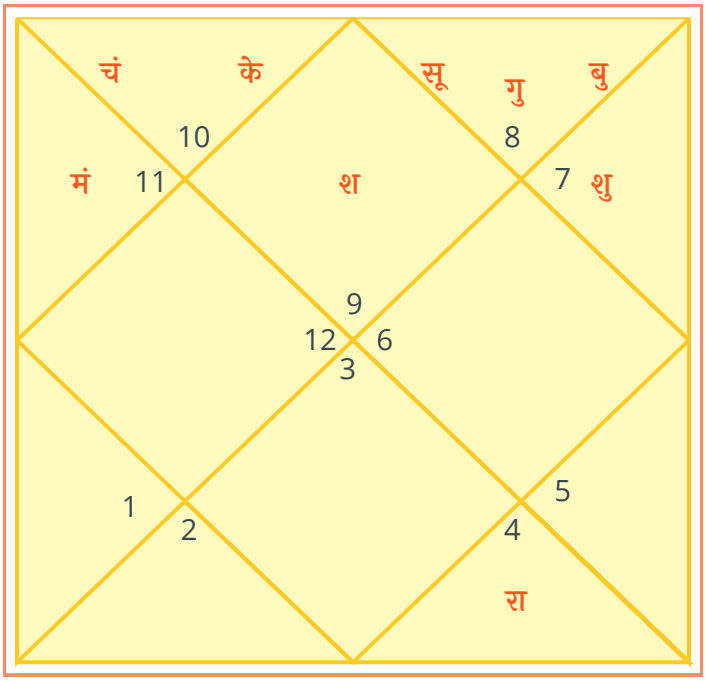

इस मास में आप सामान्यतया अशुभ फल ही प्राप्त करेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आप शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। इस समय आपके शत्रु प्रबल रहेंगे तथा उनसे आप भयभीत तथा चिंतित रहेंगे। जिससे मानसिक रूप से आप उद्विग्नता तथा अशान्ति की अनुभूति करेंगे। इस समय आपके व्यापार या आजीविका संबधी कार्य में मन्दी आएगी तथा कई अनावश्यक विध्नबाधाएं भी उत्पन्न होंगी। साथ ही आपका कोई कार्य बंद हो सकता है या उसमें किसी प्रकार का परिर्वतन होने की संभावना बनेगी। समाज में अन्य लोगों से इस मास में आपका अनावश्यक विवाद या संघर्ष होगा जिससे सामाजिक सम्मान में न्यूनता आएगी । इसके अतिरिक्त धन हानि का भी योग बनता है तथा शारीरिक कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है। साथ ही इस मास में आप वातजनित रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे तथा किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पश्चाताप करना पडडे.गा।इसके अतिरिक्त अग्नि के द्धारा भी किसी प्रकार की क्षति या हानि हो सकती है। अतः सावधानी एवं सतर्कतापूर्वक अपने सांसारिक कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

vedicrishi.in

नवम मास

10/01/2019 18:32:33 से **09/02/2019 06:49:29** तक

ग्रह	अंश	राशि
लग्न	01:02:20	कर्क
सूर्य	25:52:06	धनु
चन्द्र	14:23:48	कुम्भ
मंगल	12:14:53	मीन
बुध	14:03:43	धनु
गुरु	19:36:55	वृश्चिक
शुक्र	09:04:00	वृश्चिक
शनि	18:23:04	धनु
राहु	02:56:37	कर्क
केतु	02:56:37	मकर

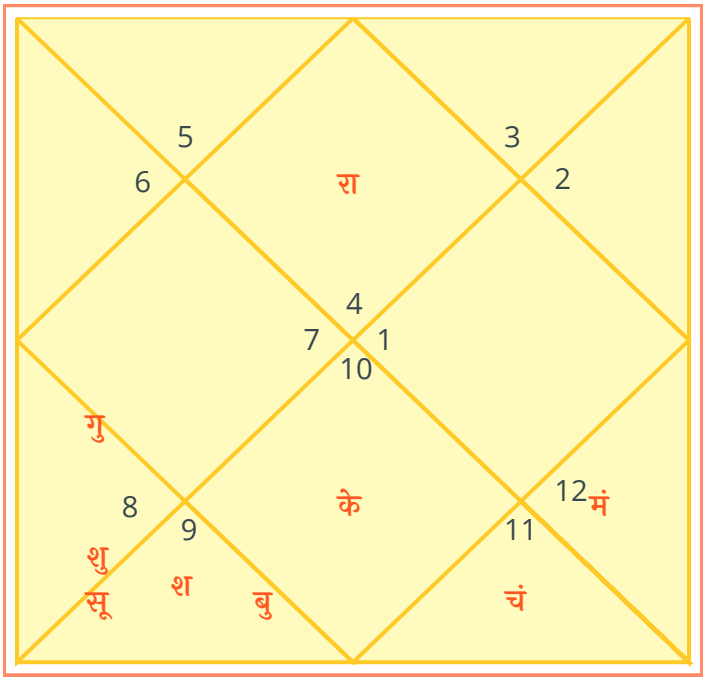

यह मास आपके लिए अत्यन्त ही शुभ एवं सौभाग्यवर्द्धक रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में लाभार्जन करने में सफल रहेंगे जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ. रहेगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित सम्मान तथा सहयोग प्राप्त होगा फलतः अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सिद्ध करने में आप सफल रहेंगे। इस मास में आपके घर में कोई धार्मिक कार्यक्रम भी सम्पन्न हो सकता है। संतति पक्ष से आप निश्चिन्त रहेंगे एवं उनसे यथोचित सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे साथ ही समाज में आपके यश में भी वृद्धि होगी। इस मास में आपके भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे। आपकी बुद्धि में भी इस समय निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा तथा दूर समीप की लाभदायक यात्रा भी सम्पन्न होगी। बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा एक दूसरे से वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे।इस प्रकार समाज में आपकी प्रतिष्ठा में नित्य वृद्धि होती रहेगी। साथ ही इस मास में आप श्रेष्ठ जनों तथा उच्चाधिकारियों से सहयोग अर्जित करेंगे तथा कार्य क्षेत्र में भी आपकी उन्नति होगी। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्रों या वस्तुओं को प्राप्त करने में सफलता प्राप्त करेंगे तथा सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।

vedicrishi.in

दशम मास

09/02/2019 06:49:29 से **11/03/2019 02:18:44** तक

ग्रह	अंश	राशि
लग्न	27:44:09	मकर
सूर्य	25:52:06	मकर
चन्द्र	11:16:42	मीन
मंगल	02:13:46	मेष
बुध	03:21:12	कुम्भ
गुरु	24:59:13	वृश्चिक
शुक्र	11:44:45	धनु
शनि	21:42:05	धनु
राहु	01:22:47	कर्क
केतु	01:22:47	मकर

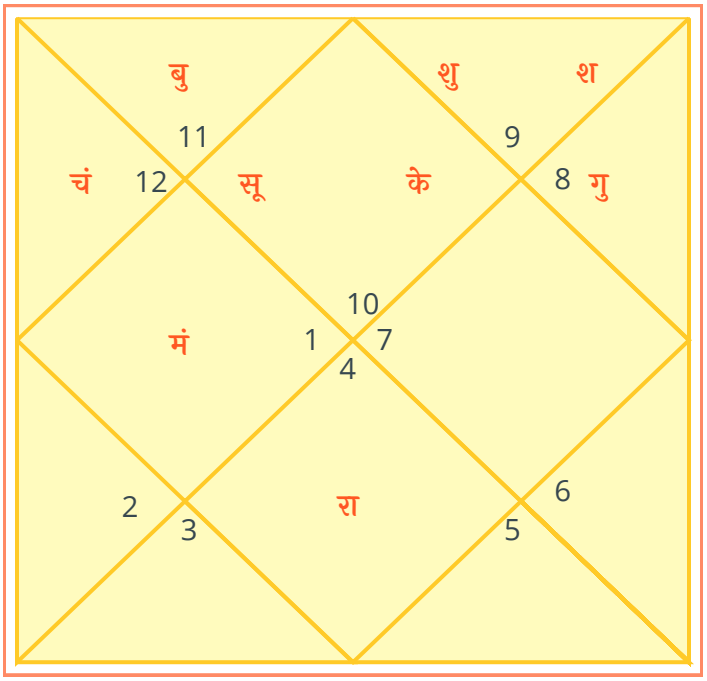

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार से सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे ।साथ ही समाज में सभी लोग आपको हार्दिक सम्मान तथा आदर प्रदान करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। साथ ही दूसरे लोगों की भलाई के लिए भी कार्य करने में तत्पर रहेंगे। शारीरिक रूप से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग से पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इससे समाज में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इस मास में बन्धु तथा मित्र वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा तथा आप भी उन्हें इच्छित सहयोग प्रदान करेंगे। इसके अतिरिक्त अपने संकल्पों तथा मानसिक विचारों को मूर्त रूप देने में भी आप सफल सिद्ध होंगे जिससे मानसिक रूप से सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे। साथ ही इस मास में आप स्त्री एवं पुत्र से भी पूर्ण सुख तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि भी अर्जित करेंगे । जिससे यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फल दायक रहेगा।

vedicrishi.in

एकादश मास

11/03/2019 02:18:44 से **10/04/2019 09:04:12** तक

ग्रह	अंश	राशि
लग्न	19:02:37	धनु
सूर्य	25:52:06	कुम्भ
चन्द्र	12:59:58	मेष
मंगल	22:18:15	मेष
बुध	03:39:10	मीन
गुरु	28:46:46	वृश्चिक
शुक्र	16:46:25	मकर
शनि	24:25:11	धनु
राहु	29:48:00	मिथुन
केतु	29:48:00	धनु

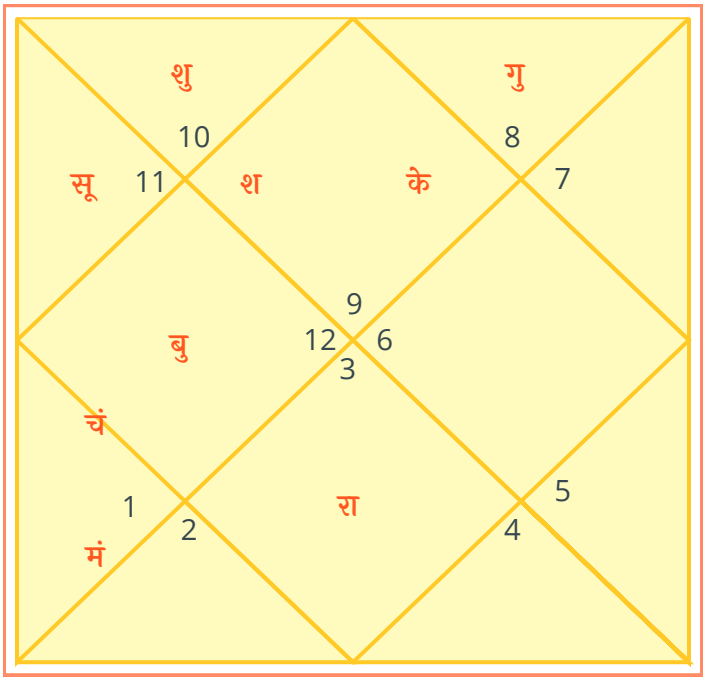

यह मास आपके लिए सामान्यतया अच्छा नहीं रहेगा तथा शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा फलतः शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी। साथ ही दुश्मन भी बलवान रहेंगे अतः उनकी ओर से आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक रूप से भी आप अशान्ति की अनुभूति करेंगे। इस मास में आपके कार्य क्षेत्र में न्यूनता रहेगी तथा कार्य क्षेत्र में परिवर्तन या कोई कार्य छूट सकता है या बंद भी हो सकता है। साथ ही समाज में अन्य जनों से आपके विशेष मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर वैमनस्य का भाव रहेगा जिससे सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार से भी धन हानि होने की संभावना रहेगी एवं शरीर में कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है। अतः सावधानी तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें जिससे अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न न हो सकें। परन्तु इस मास में अशुभ फलों के मध्य शुभ फल भी प्राप्त होंगे।इससे आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सहयोग तथा सुख प्राप्त करेंगे एवं उच्चाधिकारी वर्ग से भी न्यूनाधिक सहयोग मिलता रहेगा। इसके साथ ही इस समय आप अपनी बुद्धिमता से धनार्जन एवं सुख प्राप्त करने में सफलता अर्जित कर सकेंगे।

vedicrishi.in

द्वादश मास

10/04/2019 09:04:12 से

ग्रह	अंश	राशि
लग्न	11:09:28	वृष
सूर्य	25:52:06	मीन
चन्द्र	22:30:36	वृष
मंगल	12:24:37	वृष
बुध	28:16:53	कुम्भ
गुरु	00:13:41	धनु
शुक्र	23:09:04	कुम्भ
शनि	26:04:29	धनु
राहु	28:11:43	मिथुन
केतु	28:11:43	धनु

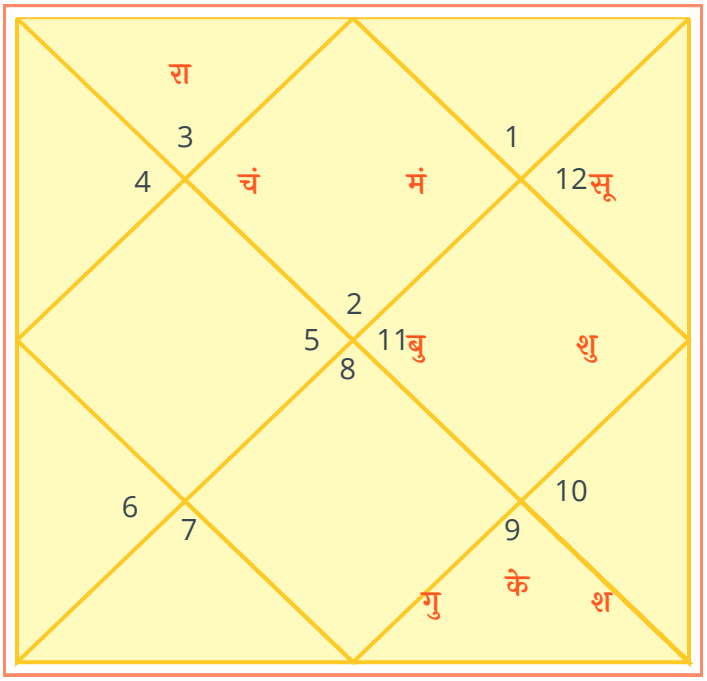

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ ही रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी होते रहेंगे। इस समय स्त्री पक्ष से लाभार्जन करने में आप सफल रहेंगे तथा आपके सौभाग्य में भी आशातीत वृद्धि होगी जिससे आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथासमय सिद्ध हो जाएंगे इससे मानसिक रूप से आप पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस मास में सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे एवं उनसे आपको यथोचित लाभ तथा सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही आपका स्वास्थ्य भी ठीक ही रहेगा तथा ज्ञानार्जन के प्रति आपकी रूचि उत्पन्न होगी। मित्रों एवं बन्धुओं से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग तथा सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगे इस मास में आप इच्छित द्रव्यों को भी प्राप्त करेंगे तथा प्रसन्नतापूर्वक इनका उपभोग करेंगे। संतति पक्ष से भी आपको पूर्ण सुख प्राप्त होगा एवं समाज से पूर्ण सम्मान प्राप्त होगा।इसके अतिरिक्त आपको रूके कार्य भी इस समय पूर्ण होंगे। परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ समय समय पर अशुभ फल भी घटित होंगे।अतः आप ठंडड या वात से उत्पन्न रोगों द्वारा कष्ट की अनुभूति करेंगे साथ ही किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे बाद में आपको पश्चाताप भी करना पडडे.गा।इसके अतिरिक्त अग्नि से भी आप क्षति प्राप्त कर सकते हैं।अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

vedicrishi.in

VedicRISHI is committed to provide its user simple and yet interactive platform to organize, view and analyze their horoscopes absolutely free.

Thanking You !!

Designed & developed by

© 2018 Vedic Rishi Astro Pvt Ltd

http://www.vedicrishi.in | (+91) 22 26359680 | mail@vedicrishiastro.com